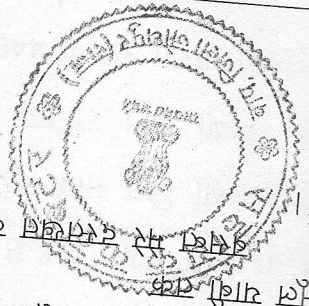


नोट :- इस खर्च के फार्म पर कुल खर्च यह ही फर्कान का था है जिसके क जसिये लिखा गया है

मुदर	रकम	मुदर	रकम
स्टाम अर्जी दावा स्टाम	रकम	स्टाम अर्जी दावा स्टाम	रकम
स्टाम वजह सबल		स्टाम अर्जी	
मुदननामा वकील		मुदननामा वकील	
खर्चा गवाहन		खर्चा गवाहन	
फीस कमीशनर		फीस कमीशनर	
बाबत इतरात इकमनामा		बाबत इतरात इकमनामा	
मुदर		मुदर	

~~सहायक कलक्टर~~
~~(आ.र.प.स.)~~
 मुदर



वर्षल यारी तक मुदर अदात के आज तारीख 06 माह 11 सन 2019 जसि की को अदा करे।
 फीस सदी सालना आज की तारीख बाबत

यह मुकदमा आज वास्तु इन फिसल कलई कबक मेरे व हाजिर श्री राजेन्द्रसिंह सालकी मिनजानिब मुदई व प्रतिवादी पैशकार सरकार मिनजानिब मुदयलहा पैश हाकर इकम दिया जाता है कि व हिकी दी जाती है कि वाद वादी स्वीकार किया जाता है कि ग्राम भीवली का गाव पटवार क्षेत्र पटवार से खतेदार के खसरा नंबर 4/26 रकबा 38.00 बीघा भूमि में वादी को गैर खतेदार से खतेदार काइतकार घोषित किया जाता है। तहसीलदार बाप वादीगण के नाम बकाया राजस्व मांग (यदि हो तो) जमा करवाकर खतेदारी अधिकारों का नामान्तरकरण खोल कर राजस्व रेकर्ड में अमल दरमद कर आदेश को पालना करे नीचे मुतालिक

मुकदमा संख्या:- 65 / 2019

दावा बाबत 88 आर.टी.एक्ट

1. समसदीन पुत्र रमजानखा
 जालि सिन्धी मुखलमान
 निवासी भीवली का गाव
 तहसील बाप जिला जंझपुर

वर्दीगण
 बनम
 बड़जलास पीठासीन अधिकारी श्री महावीर सिंह (आ.र.प.स.)
 आज अदालत सहायक कलक्टर कोर्ट बाप
 (आदेश 21 नियम 6, 7 जाला दीवानी)
 दिवारी बर्मुकदमे इल्तदाई

राजस्व बाद अन्तर्गत धारा 88, 15एएए राजस्थान कारतकारी अधिनियम
राजस्व बाद संख्या:- 65/2019
उपरिखत अधिवक्ता :-
1. वादीगण की ओर से वकील श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी
2. प्रतिवादी पेशकार सरकार

निर्णय

दिनांक:- 06.11.2019

न्यायालय सहायक कलक्टर बापू जिला-जाधपुर
बड़वालस पीठासीन अधिकारी श्री महावीर सिंह (आर.ए.एस.)

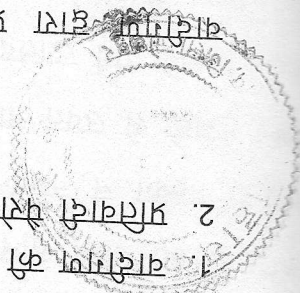
वादीगण
बनाम
प्रतिवादी
1. समसदीन पुत्र समजानखा
जालि सिन्धी मुखलमान
निवासी भीवली का गांव
तहसील बापू जिला जाधपुर

राजस्व बाद अन्तर्गत धारा 88, 15एएए राजस्थान कारतकारी अधिनियम

राजस्व बाद संख्या:- 65/2019

उपरिखत अधिवक्ता :-

- 1. वादीगण की ओर से वकील श्री राजेन्द्रसिंह सोलंकी
- 2. प्रतिवादी पेशकार सरकार



सदर
वापस/नम

वादी का बाद दर्ज रजिस्टर किया जाकर प्रतिवादी को जरिये समन तलब किया गया। समन बाद तामिल प्रांत होने पर प्रतिवादी सरकार द्वारा प्रस्तुत किया जा शा मिल मिसल किया गया। प्रतिवादी सरकार ने जवाब में बताया कि वादी के नाम खरीदसुदा उक्त भूमि पर किसी प्रकार का कोई भू-राजस्व बकाया नहीं होने से वादी को गैरखातेदार से खातेदार दर्ज किया जाना उचित है। चूंकि वादी के बाद का प्रतिवादी की तरफ से कोई प्रतिरोध नहीं होने से पत्रावली में तनकीयात कायम किये जाने की आवश्यकता नहीं है। वकील वादीगण साक्ष्य पेश नहीं करना चाहते हैं इसलिए वादी साक्ष्य बंद की जाती है। पत्रावली अन्तिम बहस में रखी गई।

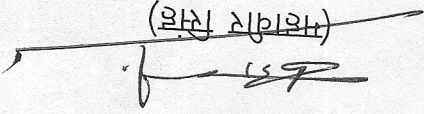
वकील वादीगण ने अपनी बहस में बाद पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया कि ग्राम भीवली का गांव पटवार मण्डल घटौर तहसील बाप के खसरा नंबर 4/26 रकबा 38.00 बीघा भूमि वादी को जरिये पंजीबद्ध विक्रय पत्र के खरीद की थी। लेकिन पटवादी हल्का ने नामान्तरकरण संख्या 449 मौजा भीवली का गांव भरते समय सरासर गलत तरीके से उक्त नामान्तरकरण के कॉलम संख्या 9 में वादी को गैरखातेदार दर्ज कर दिया। जबकि पूर्व खातेदार विकला के नाम खातेदारी में दर्ज थी। इसी अनुसार वादी को गैरखातेदार से खातेदार घोषित किये जाने के आदेश फरमावे। वकील वादीगण ने अपनी बहस के समर्थ इसी न्यायालय द्वारा पारित निर्णय की प्रतियां पेश कि जो निम्न है। निर्णय दिनांक 20.06.2014 अनवान नवीयत बनम तहसीलदार बाप, निर्णय दिनांक 10.08.2016 अनवान धनी बनम तहसीलदार बाप, निर्णय दिनांक 14.02.2018 अनवान जमुखा बनम तहसीलदार बाप, निर्णय दिनांक 28.12.2018 अनवान खुशालसिंह बनम तहसीलदार बाप, निर्णय दिनांक 08.01.2019 अनवान नूर खारू बनम तहसीलदार बाप।

प्रतिवादी सरकार ने अपनी बहस में बताया कि वादी को नियमानुसार गैरखातेदार से खातेदार काश्तकार घोषित किया जाना उचित है।

वर्कलाय पक्षकारान की बहस सुनी जाकर पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजाल, नामान्तरकरण संख्या 449 मौजा भीवली का गांव व चारू जमाबंदी संवत् 2071-2074 एवं तहसीलदार का जवाब का अवलोकन किया जिससे यह साबित है कि उक्त वादग्रस्त भूमि खसरा नंबर 4/26 रकबा 38.00 बीघा भूमि का विक्रय पत्र के आधार पर नामान्तरकरण

बाल (जायपुर)
सहायक कलेक्टर
जायपुर

(महवीर सिंह)



निर्णय आज दिनांक 06.11.2019 को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

कमल कुमार होकर नंबर से कम हो। दाखिल दफतर हो।
में अमल दरमद कर आदेश की पालना करे। हिंकी पर्चा अलग से जारी हो। पत्रावली
(यदि हो तो) जमा करवाकर खातेदारी अधिकारों का नामान्तरकरण खोल कर राजस्व रेकॉर्ड
काइलकार घोषित किया जाता है। तहसीलदार बाप वादीगण के नाम बकाया राजस्व मांग
खसरा नंबर 4/26 रकबा 38.00 बीघा भूमि में वादी को गैर खातेदार से खातेदार
वाद वादी स्वीकार किया जाता है कि ग्राम भौवजी का गांव पटवार क्षेत्र घटार के

आदेश

किया जाता है।
किया जाना न्यायोचित है। वादीगण का वाद स्वीकार किये जाने योग्य होने से स्वीकार
भू-राजस्व बकाया नहीं है। इसी अनुसार वादीगण को गैरखातेदार से खातेदार घोषित
वर्तमान में वादीगण का कच्चा काइल है तथा उक्त भूमि पर किसी प्रकार का कोई
खातेदारी के नाम खातेदारी में दर्ज थी जो विक्रय पत्र से प्रमाणित है। उक्त भूमि पर
खातेदारी दर्ज है। जिस समय उक्त भूमि वादी ने खरीद की उस समय उक्त भूमि पूर्व
को गैर खातेदार के रूप में दर्ज कर दिया गया। जो वर्तमान में भी वादी के नाम से गैर
सख्या 449 मौजा भौवजी का गांव भया जाकर स्वीकृत हुआ। उक्त नामान्तरकरण में वादी

